संस्कृति विभाग
उत्तर प्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

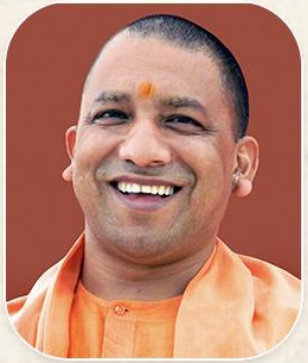

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, उ0प्र0

(संस्कृति विभाग, उ0प्र0 का स्वायत्तशासी संगठन)

परिचय

- स्थापना - सन् 1986
- कार्यालय - नवम् तल, जवाहर भवन, लखनऊ
- कार्यक्षेत्र - सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश
- लोक कलाओं का संरक्षण, संवर्धन, एवं प्रस्तुतीकरण
- जनजातीय संस्कृति एवं परम्परा का संरक्षण, संवर्धन, एवं मंच प्रदान करना

उद्देश्य

- लोक कला एवं संस्कृति का शोध, विकास एवं बढ़ावा देना
- ऐसी संस्थाओं को बढ़ावा देना जो लोक, जनजाति, कला, संस्कृति के संरक्षण तथा विकास में प्रयासरत हो
- लोक, जनजाति, कला, संस्कृति के क्षेत्र में सेमिनार, कार्यशाला का आयोजन तथा अनुदान देना।
- ऐसे साहित्य का अनुवाद, संग्रहण एवं प्रकाशन करना जो लोक, जनजाति कला, संस्कृति से संबंधित हो।
- प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर विभिन्न क्षेत्रों के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ एवं संपुष्ट करना।

विगत वर्षों की प्रमुख गतिविधियाँ

- वर्ष 2017 - लोक रंग कार्यक्रम
- वर्ष 2017 - इटावा में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- वर्ष 2018 - गौतम बुद्ध नगर में पटेल जयंती के अवसर पर रागिनी कार्यक्रम
- वर्ष 2018 - इंदिरा गांधी नेशनल ओपेन यूनीवर्सिटी में थारु जनजाति पर कार्यशाला
- वर्ष 2019 - लखीमपुर खीरी में थारु माघ महोत्सव
- वर्ष 2019 - बलरामपुर में बसन्तोत्सव कार्यक्रम
- वर्ष 2019 - राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ में आयोजित लोक विमर्श कार्यक्रम
- वर्ष 2019 - पीलीभीत में महाराणा प्रताप जयंती के कार्यक्रम
- वर्ष 2021 - मिशन शक्ति के अनतर्गत कार्यक्रम
- चित्रकूट में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- मिट्टी के खिलौने पुस्तक का प्रकाशन

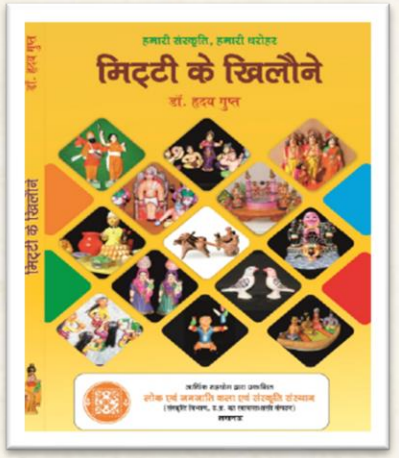

विगत वर्षों की प्रमुख गतिविधियाँ

- 20 जुलाई 2021 – “थारू जनजाति: विकास एवं संभावनाएं” विषयक बेविनार
- 26 जुलाई, 2021 - कारगिल विजय दिवस के अवसर पर “गौरवगान” कार्यक्रम
- 09 अगस्त, 2021 - विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर “आदि उत्सव” कार्यक्रम
- 14 अगस्त, 2021 - आजादी की पूर्व संध्या के अवसर पर “जरा याद करो कुर्बानी” कार्यक्रम
- 15 नवम्बर, 2021 – “जनजाति गौरव दिवस” कार्यक्रम
- संस्थान की नवीन वेबसाइट का विकास
- थारू जनजाति पर आधारित डाक्यूमेन्ट्री का विकास
- 29 अप्रैल 2022 - “आजादी के सबरंग” कार्यक्रम

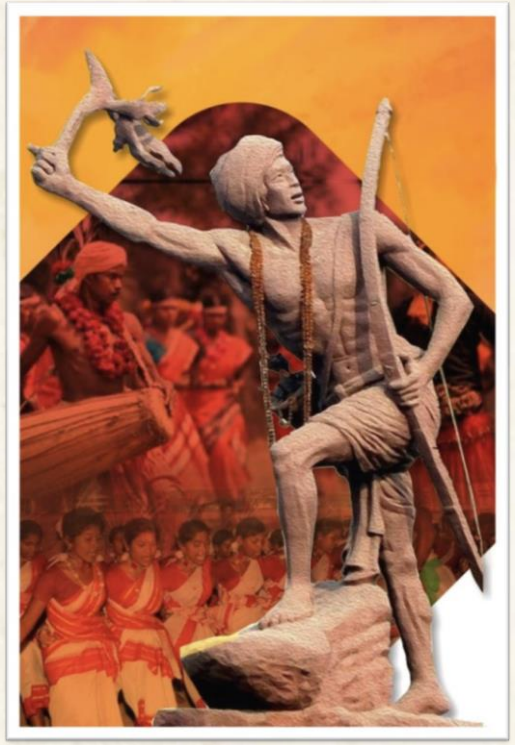

20 जुलाई 2021 – “थारू जनजाति: विकास एवं संभावनाएं” विषयक बेविनार

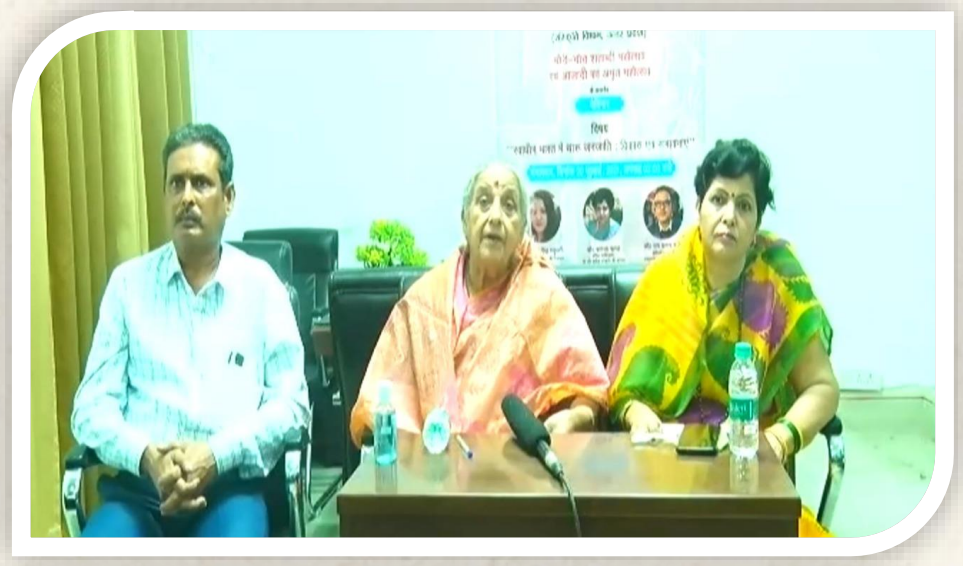

26 जुलाई, 2021 - कारगिल विजय दिवस के अवसर पर “गौरवगान” कार्यक्रम

09 अगस्त, 2021 - विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर “आदि उत्सव” कार्यक्रम

14 अगस्त, 2021 - आजादी की पूर्व संध्या के अवसर पर “जरा याद करो कुर्बानी” कार्यक्रम

15 नवम्बर, 2021 – “जनजाति गौरव दिवस” कार्यक्रम

29 अप्रैल 2022 - “आजादी के सबरंग” कार्यक्रम

लोक कलाओं का अभिलेखीकरण

प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति के अभिलेखीकरण योजना के अंतर्गत गैर सरकारी संगठन अनहद के सहयोग से प्रदेश की 25 सांस्कृतिक विधाओं की 50 लघु फिल्म तैयार करायी गई |

संस्थान की नवीन वेबसाइट का विकास

“थारू जनजाति“ पर डाक्यूमेन्ट्री का विकास

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

के अंतर्गत

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

लखनऊ,

उत्तर प्रदेश की प्रस्तुति

आगामी कार्ययोजना

- जनजातीय गौरव दिवस – लखनऊ (भगवान बिरसा मुण्डा जयंती)
- वनटांगिया आदिवासी कलाकारों द्वारा कार्यक्रम – गोरखपुर
- लोक क्षेत्र में साधनारत मान्यता/ सम्मान प्रदान करना
- उ0प्र0 के 04 लोक अंचलों- ब्रज, अवध, बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से लोक कला एवं जनजाति कलाकारों को खोज कर मंच प्रदान करना (टैलेन्ट हंट- प्रतिभा खोज)
- वाराणसी, गोरखपुर, मथुरा एवं आगरा में लोक संस्कृति की कार्यशालाएं (स्थानीय विद्यालयों के सहयोग से)
- "लोकरंग" लोक कला एवं जनजाति संस्थान की स्मारिका का प्रकाशन
- जनजाति महोत्सव-कार्निवाल का आयोजन –वाराणसी
- लोकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम -मथुरा
- ब्रज, अवध, बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल की लोक संस्कृति पर डाक्यूमेंट्री का विकास
- जनजातीय नायकों पर लघु पुस्तिकाओं का प्रकाशन

संगठनात्मक ढांचा

अध्यक्ष
शासन द्वारा मनोनीत

अधिशासी अध्यक्ष
प्रमुख सचिव संस्कृति(पदेन)

कोषाध्यक्ष
शासन द्वारा नामित

निदेशक
शासन द्वारा नियुक्त

सामान्य सभा

कार्यकारणी परिषद

धन्यवाद

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वरवते : स्वराष्ट्रं रक्षेत्

चौरी-चौरा 100 महोत्सव

उत्तर प्रदेश सरकार

http://uplokkala.com/

https://www.facebook.com/folkandtribalartsup

https://twitter.com/Folk_Tribal_Art

https://www.youtube.com/channel/UCubkMM3KiuanEf9uZs_qN-g

https://www.instagram.com/folkandtribalartsup/